



112 12

ॐ
ॐ

कुक्क २ स या न जा गि नी मा आ द नु वं कु द नु व स स स न गु च च ल धा मि श्री ग न धा लि या २ रु ना गि वा क
व द गृ न य स च यि स ॐ स र न ग र वी वि न न म हं अ का न न द द ध नु २ ख च यि स त ड ना ध च स स
ग ना हं २ ग ना हं ग ना ग ना हं हं स स हं दा जालि ग ध या ग ध नु २ व द य ण म दा ध च स स ध वः
स म गं ख न द द ध नु २ ग न द स मा दि य च द स च स स मा या द द ती न ड गु २ सा दि य क न धा स त
म ह स स ॐ स र न ग र्ग ग न मा त धि स यी च क ल वि ग णी म धु त मा आ धि मि न न त्र म नः

ॐ
ॐ

मि ध ना २ व द वा ना दि आ लि ग ध स म च न ना ना न स्मि म दा द न स स र ना हं ग ना हं हं २ ग ना हं ०
नी ल व र्ण च व क य मि स ख मि न ना य न मा आ न त्र म नु मि ध ना स सा वि ध व द नु २ च द ड न म क न धा
वि ह्ना उ आ र न न म ख रि ना स स व द य ण म दा ध च म ड ग न ख द ड वि र मा आ न त्र म नु मि ध ना २
क ल र्क का या ल य ल गृ या ना रि धु त व द्वा मि ली ध ना आ य च र्म का र्क वी रु ना स सा दि गं वि दि गं का काः
आ दि ड म ठा पि की नी स द डा आ न त्र म नु मि ध ना २ न मा मि न मा मि धी व क स म च न स न गु च च ल न आः

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

नक्तदावशात् न ॥ अथागने मुष्क वा हूय नद्र नडा वाय ॥ राजा मद्र वा च न क म ना म य

चदीला शब्दजो गतावा नु च समसमरुव स

१॥३॥३॥

मानिधि न च यथिया न माया सा सारु व म द लीना ॥ १ ॥ स या ग व द्ध मु छु वा म म द्वा थ
 धरिया व न न मि च मा ला २ नी ल द चि त आ दि त क ध्वा र व च्च व म द्ध अ नि वि क ला या ॥ २ ॥
 अ ति रु य थ र्ने च च य थि य न ॥ का लि च नि री म म द्वा ३ वि श्व क लि ष म्द च द ज ता रु त ज्ञा
 द्य च म्म र व न म्द ॥ ४ ॥ स क्ति र्ग वि न वी च श्व च ना य क नि ति च क म द्वा वी च वी च ५ क च्छ म्द
 म्म र वी च श्व च ना य क ६ अ यि म य च मं सा च ॥ ७ ॥ स ध्वा ग रा स ॥ ८ ॥

प्रिदनेकमन

श्रीदत्तकमलवर्षु कुसुमसर्पिण मधुकलदलवल्लिना रणीविचयाद्वय स्वर्गमखदवी भदनी
 पनयाचयश्यायिका ॥ ॥ नमो नमो ललायामा गिरुवनमाता वरुणादवी श्रीम गुरुः
 ति १ मयचसता सल दद्विगवत्तन अनगलिद्विसिद्धिवचयसादा ॥ ॥ नमद्वनव
 शिव ॥ चद्वनगवद्व ॥ अशगक समयातिजागवने निर्यगीमा समवागममी र्थे ॥ अनगकि
 र्थेषु चद्वगयाता ॥ ॥ अष्टरुलवयष्टजागिनिदवी अनगविघ्ननिलवात ॥ ॥

रामदायन

[illegible]

२४ नक्षत्रार्थ

[illegible]

१३६

सकच साहिना ॥ ॥ वदन दार्द्रेत गिरु वाम नील कौचाश्च ॥ विविगुचल कल वच
नील कंचका ॥ ॐ ॥ ॥ चाननादा ॥ सकच ऊग तयुच समुच दीवा ॥ अनय सकचू
कचिरासुखचिह्ना ॥ ॥ ॥ समुच समुच कचू मायिनायं ॥ विविधिकल्यविनाशनचू
॥ ॥ दवीवाचाहीहुऊ सान्दिकदहा ॥ रावरुयदहन विसारविहाया ॥ ॥ शकच
विघ्नहतिमकियगिचू ॥ ॥ रावरावकगहतिवृः

लो १ अन्तयसमस्तवसमस्तवचिह्नो ॥ ० ॥ **॥ वागमात्रव ॥** वरुणाय विष्णवे ब्रह्मणे
 १ सिंधिनिघ्रायिनिहृदयकडवाकिनी ॥ ५ ॥ तमासिधीयागमवह्मनध्वरीया १ गिने
 नवदवी, शिखरवतययिस्थ ॥ ॥ पूर्वदलवययिभदक्रिणदिवादवी १ उकिनीदियानि
 वडसिवांवाकनि ॥ ॥ चतुर्वादिवांहुक्क, रुतहुदवी १ निनिनिहृदवी, नाचयिदवी ॥
 हलिहचवक्का ॥ ० ॥ अन्तयसमस्तव १ वाउभ ॥ ॥ गीनि, समस्तवसंताप ॥ ॥ २६३ ॥

था

॥ वागमात्रव ॥ कात्यायिधियावाला, मुमनिदहनकोला १ धनकायिधिरुयिवकायि, कव
 ध्याकियायिधिलाता ॥ ५ ॥ सलथककन्दवकायिधिरु, दिधिमागाहिनवकायि ॥
 तदिंसवकाजनमध्य, मयनायिवजनयायि १ दारवालिजनयनयायि, दन्दवजनया
 यि ॥ ॥ चवसमकमुचिसिद्धा, कथ्यववायतयायि १ सलथककन्दवजनयायि, तदिंस
 वकाजनयायि ॥ ॥ थयनककवक, सुद्धा, सुद्धमनयि १ निलंसुद्धा, सुद्धा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

महिंजुसरायनयायि॥ ७ ॥ ॥ वगमलाड ॥ न क व द न र त म क ट जालं क ता १ व ड ड
डा व ज य र क क व ध न धा वि ता ॥ ८ ॥ ॥ न मा भि म धीं कृ धी य म नृ ह्य ख लं १ म य र ज्ञा सा य र
य व धा वि ॥ ॥ द हिन धी ग ध य ति वा स धी स हा वा च १ स ग ध म धु ल सा श्रु य क वि ता स्मि
ता ॥ ॥ सृष्टि संहार वा या वि ध्व वे यां यि ता १ अ मृत य व द न्या धे द ति न ह व धा ॥ ॥
व रु ध व य सा दि ष दा सा रु च यि या १ शु चू च व ध भा रू सि धि व व य सा दा ॥ ॥ ॥ न ग ध न

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

२५३५५५

श्री॥ गङ्गा मूलविनिनयनिताशुवयदवर, निर्याधियश्रुतिग, धेखरा १ मधिमकारकौत्ता
 नर, ध, नर, निकिचनसंकाशा ॥ ४ ॥ मालियाविद्यमालियादये, मालियादः खवि
 नाधनं १ मालिया मारामा लसंगाभा मरूयहमद्वनामिता ॥ ॥ यचमवानां कुधव
 डावप्र, निन्दिया लदहिनकावा १ मधनयनत्वदा, डावयचकरनिवाभ ॥ ॥ विचिग
 वसुकां वृकाहिवगा, डाटाइतमधिमधुता १ नभातचधृगरभादरस्वरा, यायचमिलिमे

१६ वन

लिवाकृन्त ॥ ॥ चला न च द्वि गत ला कृत्ति गाम् त्रिक मृत्तु जगि स द्वा १ दिना दत्वा न
म सत्त दाना न मो शुन मो शुग धा धियति ॥ ॥ ॥ **प्रागना १॥** कवन नृय ला कृत्त व
न नृय वृद्ध १ प्रयय नित्तं जन स्या च वि सुद्धं ॥ ॥ ना च यि ज व ध्व कान क सा न १ ख द्वा ग
उ म नृ यी व न ल सि च मा वा ॥ ॥ अ कृत्त स्या नित्तं जन अं कृत्त वि रुता १ जन रु व ध्व न स य
स्या च वि सुद्धं ॥ ॥ क कृत्त व र ह व र क कृत्त व र ह नै ला १ अ व ध्व कान गति स रु य

१७ वन

च द्या ॥ ॥ रु ल कृ रु ल कृ रु म रा स
रा वा ला स क री ॥ ॥ रु न व र न न य न रु व
म धु ल मा शु ग सि रु व कि र ह रु ग न म धु ल मा शु
ल ज व ता च या रं द व यु ध मा सि व रा स ला के ध्व र द व रा रा द्या गी व शु द न य रि क
रु व य नि वृ डा म धि न च रु द व ॥ ॥ वा ति क स र ध च वि रु धि र वा धि य ॥ ॥ ॥

धलदाथ १ शुक्लममचनकागकृष्णदाविदुदःखरायद्वेषः ॥ ॥ कैंकेंरागानिकाः
 यासकिन्नमधीलवगममौक्खरदव १ नमासि १ धीनचन्द्रदव स्वर्गमथयागारदव ॥
 ॥ ॥ दशशुमीहार्तिंघनलक्षधविद्या १ गगनाथगुराययुदाता १ धीश्रुमिगारुवः
 शिल्पंममधविद्या धीलाकस्वरमवना ॥ ० ॥ नामशुक्लवसावधिव ॥ वज्रयागी
 निरुवृत्तया १ शिशुवननाथादहिमयाथ ॥ ५ ॥ यीवयिदमदावमसदासलक

येथा १ वज्रदवीयसादजनलवहन ॥ ॥ डडनालिगिदलकगलसंथाय १ दहिविला
सायवनसंहाजि ॥ ॥ उंजंयिचसदासलकुली १ यंचसिचसस्यविजवाचूनी ॥ ॥
मनयुचयसादचहुथोनिधक १ यचधरीचसंसाचसमुदा ॥ ॥ ॥ वागवाव
लि ॥ लमुककेचधाधलगीनयन १ गभसउचिनसिन्धुचहुवने ॥ ॥ ॥ केनाकंकन
कंकननाकंक ॥ ॥ याद्यचमडचदाथंयचगूधवा १ उंजसलजकुसुगकावावी ॥ ॥

सित्थितिशस्त्रकम् नद्योयवर्धसमदहा १ यहुचवदनकदलसद्वयमननयकासि
 ता ॥ ५ ॥ नसासि १ शीमहास १ शीमकाचयुनवायधुचयुन १ क्कामिदहनहनवः
 चयदसर्वहहननिधियाविता ॥ ॥ यथसकनद्वयवकयधुधरसुडासावितामरा
 जिना १ द्वितीयाकृगधर हनीयहनस्यथयुथलकसर्ववचय ॥ ॥ मृकययुज
 यागहुवनधमेवायचहुथवानधुनयुसका १ चलम १ मिचयुकलिनकिमि यरुसः

१२ वा ३३

अस्मत्प्रविवरा ॥ ॥ निवृद्धि वृद्धि ह्यथि रमि गुरा मिता सर्वे ह्यन विर्यं सा गचा २
वृद्धि न सच ना गत यत्र साध वरु कर्मने ॥ २४३ ॥ ॥ वा मय द्रु म ॥ वा स कल
मधुत सा म साधुता विवि गुरल दी वय मा दालि ता २ जो द ध स धान सं जा म स रु डा क स व ध
मा त सं मि ता ॥ धु ॥ ॥ वरु वा सा हि मा लि क न ह र व गि तु व न ए क स या थि ता २ रु डा
म का ठा द ॥ ॥ ॥ वि ध वरु दि थि र म क लि वि र थि ता ॥ ॥ य तु च व द न य नि व कृ ति न

१३ दि न पुत्र

कुं नी ल ध्या म वा हि न यी ता २ उ हिन वा च वरु द नि च र म रु रु वा स वि मि ता र ॥ ॥ लि ता
॥ ॥ वा स वा च य न व द क क या न या ध व क स धु मा ति ता २ का धा धि य धी च क स
मा लि का लि द थि वा य थि धा रि ता ॥ ॥ य द रि ॥ ॥ वा द ध रु डा य उ स द र व न
वि रु थि ता २ यु ध मा मि धु रि सं द र ना ॥ ॥ क गी ता ॥ ॥
वा ग व वा दि ॥ ॥ उ दि न रु व न क स वा स न ॥ ॥ व न स वा २ नि मे ॥

वृक्षासयनाथादहिनुरायवचयदाना॥ य ॥ सुकृद्वदयुक्तवध विरुवयायिनज
 गनठधविद्यायनसासिवरासला॥ ॥ कनकचलमणिहारविद्युयितकनकासुखव
 क्षादिश्वामकामलक्षारिवरगजासुखलसुखजानन्दसुखति॥ ॥ सचनचयकुकिन
 रगधयुजियताचलानचलमसिचयविद्याशमिसिचयान्तलमाकयदानादधनयाय
 दुःखदुःखध॥ ॥ चकवक्षसुखनयनसुखचनसुखवकुर्मासंयुक्तेश्वरलयचिणद

२५
 २५
 २५

वधाचिल्लाकेश्वरसहस्रभुलसुखविजयजाग्रा॥ ॥ रागललित॥ द्वादशसुखव
 वदवदनचुवर्धुकिनेगुल्लाकाकनंश्विष्टकालिगजद्वेचदुःखसकटधरासुयियचः
 कीकुलकशि॥ य ॥ नसासिचरगशीचकसंवचचाया विरुवनयायिन गिलाक
 कविचाश्वदशादिगसाचसगागकचध विविधिविद्यनगुयितागकचधं॥ ॥ वज्रः
 दधुगकचसुठसचुल्लकां सधुमाल्लाउज्ज्वलशासाश्वकचनिकायाचयचशूयागगी

मूलवक्त्रमिष्वयमसुदाराचरं यथा लिख्यते ॥ ॥ शिवकचविशसिमधुलमाश्रयिनिः
 वक्रवाचाहियल्लालिकृष्ण १८८ तिसंविश्वरूपमधुलसुवननक विवाशयि सरुज्ज्वा
 नन्दमुच्यते ॥ ॥ वक्रसचतागतं भाद्रद्वारं स्वासि यट्वाति रुवस्य द्युनिनासं
 १८९ आगमयुवगल्लुयदं गचमना आद्विसिद्धिदहिणी ह्रस्वसचरं ॥ ॥ १८९ ॥
 गगमधुमन ॥ यथादिदं गमिसन्दरीसन भवमधुलसतस्थितवचना १९० ददगुज्ज्वलवद

तस्य शारिकवक्रवाचाहिकल्लालिङ्गिना ॥ य ॥ ॥ कंकंकंकंकदिकल्ललन सायं तस
 यचसं वाधियाल्ल १९१ दंताल्लिकन मध्यसंसाध नावयिद्वानेनी समुवाया ॥
 कालगद्यधु गज्ज्वमिष्वयं वाचमिठमरुधुक् १९२ शिना १९३ यल्लिकवाचाचवद्वं क
 याद्ययवधुवक्त्रमित्यधवा ॥ ॥ यच्चजिनवचमकनल्लिकन यमसुदाराचन विरु
 यिता १९४ लिकाल्लिद्रियल्लिकवाययि व्याधुचमेनिवासन कृष्णतन ॥ ॥ नवमि

三

३२
 रमात्मालं वं श्रीमन्मन्त्रादियचक्रुणीनिकवृणहिया १ कलं कलमभाचुक्रुयायमचनग
 वन्मियचमादिवक्रुणीना ॥ ॥ रागनरवी ॥ रासर्वतक्रमह्वक्रुविलेचधर्मादया
 यचिभुमिच १ कलं गावमनाहलमधुलवक्रुधुलीयकमलवली ॥ ॥ दृष्टरावक्रु
 ददयकमलधीयंयक्रु १ आद्विसिद्धिकमविद्यनविनाशनक्षायिमहामुद्रासिद्धि ॥
 मादिवक्रुलीयममयचमधुलविलागयित्वदोचक्रु १ नीचनीलवर्णसूचक्रुनीयम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

महाराय यचिमहारा ॥ यमाविलदहदिहचमिवद्धेय ॥ अक्षयकगगदहद्धेयनं ॥
 सयवद्धजिननक कचयिआ निऊरुवहिययचिराववे ॥ ॥ युरूडयदहोसि
 अथियङ्गल माक्रूचिरुविरंगाय ॥ सगयुरूचर धसिअंगगधयिआ रनयिसरगवः
 कनलव ॥ ॥ रागधनाधी ॥ विदलसंजलरु सवयचि ॥ ॥ दृग्माद्वयकक ॥
 कायादाकाना ॥ कृष्णवर्णदह दिउरुमा कथ्यचक्रवहुरविनिधाचना ॥ ॥

१६६

अथ संज्ञा १ की उनी कसल कले सुवा रुन्ना ॥ ॥ यस्मादिद्यां वि शील
वता वि १ लयन वव सम हव ववा वा ॥ ६८०३ ॥ वा वा य उयी ॥ दं विना ध
व वल विवा सयि कयि भा १८० रा व का म धु ल वा या ॥ ६८०४ ॥ हव का हव ल क म
न नि वा सि या १८० रा वा उ ५ ॥ ॥ अमिय १ नि मे व द ह १ रा रु क स च वा र या दिनः
हव य यि स ॥ ॥ न व ड या गि नी न व म ल १ व क वा वा हि या लि क न का ले ॥ ॥ ८०

न व ड वा क व वा ली १ क य आ लि क न नी ला व क वा ली ॥ ६८०५ ॥ * ॥ ६८०६ ॥
॥ वु र ॥ ॥ ७७ ॥ ६८०७ ॥ १ ना ग व लि त ॥ का ला दि व सि त प्र
का र्प णि ल्य भी लि सि धि आ लि ग ध ति धी रु व न १ ख व ल वा द ल क ल
न क काल अ व ना ग आ व न ध क व व ध ॥ ६८०८ ॥ ॥ अ म न ग य रु न ध
म न दू व ता ठ न मा ल व ल म द न या य रु न ध १ वि वि द नि मू ख लु न वि

नववक्रः चर्मोदेमात्ताश्मात्रविद्युदं भक्तुयद्वयधाम ॥ ॥ विविः ॥
 दिप्रथममोत्रिलकुतदहाश्चगनयोविष्टिग वनरुतदायकं ॥ ॥ ॥

॥ विवि ३ ॥





